विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग -सप्तम, विषय- हिंदी

दिनांक- 26-11-20

||अध्ययन सामग्री ||

पाठ -12

|| आ रही रवि की सवारी ||

- **हरिवंश राय 'बच्चन'**

आ रही रवि की सवारी।

नव-किरण का रथ सजा है,
कलि-कुसुम से पथ सजा है,
बादलों-से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी।
आ रही रवि की सवारी।

विहग, बंदी और चारण,

गा रही है कीर्ति-गायन,
छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फ़ौज सारी।
आ रही रवि की सवारी।

चाहता, उछलूँ विजय कह,
पर ठिठकता देखकर यह-
रात का राजा खड़ा है, राह में बनकर भिखारी।
आ रही रवि की सवारी।

शब्द -संपदा

- **अनुचरों -** सेवक
- **कलि-कुसुम -** बिना खिला फूल
- **कीर्ति -** यश
- **धारी -** धारण करना
- **तारक -** तारा
- **ठिठिकना -** चलते-चलते अचानक रुक जाना
- **चारण -** वीरों की प्रशंसा के गीत गाने वाले लोग

रवि -सूर्य

स्वर्ण – सोना

रात का राजा -चांद

नव – नवीन

फौज- सेना

तारक -तारे

परिधान -पोशाक

<u>निर्देश- दी गई सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा कठिन शब्दों को याद करें ।</u>